चुनावी राजनीति

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» लोकतंत्र क्या है?

प्रश्न 1 (आसान). वह कौन सी शासन प्रणाली है जहाँ लोग खुद अपनी सरकार चुनते हैं?
उत्तर – लोकतंत्र

प्रश्न 2 (आसान). लोकतंत्र में सरकार किसके लिए काम करती है?
उत्तर – जनता के लिए

प्रश्न 3 (मध्यम). क्या सिर्फ चुनाव होना ही किसी देश को लोकतांत्रिक बनाता है? कारण बताओ.
उत्तर – नहीं, सिर्फ चुनाव होना काफ़ी नहीं है. चुनाव निष्पक्ष होने चाहिए और सरकार को नागरिकों के अधिकारों का सम्मान भी करना चाहिए.

प्रश्न 4 (कठिन). एक काल्पनिक देश 'बीटा' में राजा का शासन है. राजा अपने उत्तराधिकारी को खुद चुनता है और जनता को कोई अधिकार नहीं है. क्या 'बीटा' एक लोकतांत्रिक देश है? क्यों या क्यों नहीं?
उत्तर – नहीं, 'बीटा' एक लोकतांत्रिक देश नहीं है क्योंकि यहाँ जनता को अपने शासक चुनने का अधिकार नहीं है और सरकार जनता के प्रति जवाबदेह नहीं है. यह एक राजशाही है.

» लोकतंत्र की प्रमुख विशेषताएँ

प्रश्न 5 (आसान). अगर किसी देश में सिर्फ अमीर लोग वोट डाल सकते हैं, तो क्या यह लोकतंत्र की विशेषता है?
उत्तर – नहीं, क्योंकि लोकतंत्र में सबको वोट डालने का अधिकार होना चाहिए.

प्रश्न 6 (आसान). अगर सरकार अपनी मर्ज़ी से किसी को भी जेल में डाल दे, तो क्या यह लोकतांत्रिक सरकार है?
उत्तर – नहीं, क्योंकि लोकतांत्रिक सरकार को कानून का पालन करना होता है और नागरिकों के अधिकार होते हैं.

प्रश्न 7 (मध्यम). एक देश 'ख' में चुनाव तो होते हैं, लेकिन जीतने वाली पार्टी हमेशा सेना के आदेश मानती है. क्या यह देश लोकतांत्रिक है? क्यों?
उत्तर – नहीं, यह देश पूरी तरह से लोकतांत्रिक नहीं है. एक लोकतांत्रिक सरकार को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए, न कि किसी और ताकत (जैसे सेना) के दबाव में.

प्रश्न 8 (कठिन). एक देश 'ग' है जहाँ सरकार विपक्ष (जो पार्टी सत्ता में नहीं है) को सरकार की आलोचना करने की अनुमति नहीं देती. क्या यह लोकतंत्र है? अपने उत्तर का कारण बताओ.
उत्तर – नहीं, यह लोकतंत्र नहीं है. लोकतंत्र में नागरिकों और विपक्ष को सरकार की आलोचना करने और अपनी बात रखने की आज़ादी होनी चाहिए. यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हिस्सा है, और लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है.

» लोकतंत्र के खिलाफ तर्क (गुण)

प्रश्न 9 (आसान). लोकतंत्र में बार-बार नेता बदलने से क्या समस्या पैदा होती है?
उत्तर – सरकार में अस्थिरता पैदा होती है और नीतियाँ बीच में रुक जाती हैं।

प्रश्न 10 (आसान). लोकतंत्र में फैसले लेने में देरी क्यों होती है?
उत्तर – क्योंकि फैसले लेने से पहले कई लोगों और प्रतिनिधियों से चर्चा करनी पड़ती है।

प्रश्न 11 (मध्यम). चुनावी प्रतिस्पर्धा के कारण लोकतंत्र में कौन सा मुख्य दोष उभरकर सामने आता है?
उत्तर – चुनाव जीतने के लिए धन और बल का प्रयोग बढ़ता है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

प्रश्न 12 (कठिन). 'लोकतंत्र समस्याओं का जादुई समाधान नहीं है' – इस कथन की पुष्टि में दो तर्क दीजिए।
उत्तर – 1. यह गरीबी या बेरोजगारी को तुरंत खत्म नहीं करता। 2. यह केवल निर्णय प्रक्रिया को समावेशी बनाता है, सही फैसले की 100% गारंटी नहीं देता।

» लोकतंत्र के पक्ष में तर्क (दोष)

प्रश्न 13 (आसान). लोकतंत्र में सरकार किसके प्रति जवाबदेह होती है?
उत्तर – जनता के प्रति।

प्रश्न 14 (आसान). लोकतंत्र नागरिकों की किस भावना को बढ़ावा देता है?
उत्तर – नागरिकों की गरिमा और समानता को।

प्रश्न 15 (मध्यम). विविधता वाले देशों के लिए लोकतंत्र क्यों आवश्यक है?
उत्तर – क्योंकि यह अलग-अलग समूहों के बीच मतभेदों और टकरावों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का अवसर देता है।

प्रश्न 16 (कठिन). चीन और भारत के 1958-61 के अकाल की तुलना करके लोकतंत्र के पक्ष में तर्क दीजिए।
उत्तर – चीन में अकाल के समय बहुदलीय चुनाव और स्वतंत्र मीडिया नहीं थी, जिससे सरकार पर दबाव नहीं बना। भारत में लोकतंत्र होने के कारण सरकार ने खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी, जिससे लाखों जानें बचाई जा सकीं। यह लोकतंत्र की जवाबदेही को दर्शाता है।

» लोकतंत्र का वृहत्तर अर्थ

प्रश्न 17 (आसान). अगर आपके गाँव का सरपंच हर काम अपने मन से करे और किसी से सलाह न ले, तो क्या यह 'वृहत्तर अर्थ' में लोकतंत्र होगा?
उत्तर – नहीं, क्योंकि वृहत्तर अर्थ में सरपंच को सबकी सलाह लेनी चाहिए।

प्रश्न 18 (आसान). आपके घर में अगर मम्मी-पापा कोई फ़ैसला लेते समय आपकी भी राय पूछें, तो यह लोकतंत्र के किस अर्थ को दिखाता है?
उत्तर – यह लोकतंत्र के वृहत्तर अर्थ को दिखाता है, क्योंकि इसमें सबकी भागीदारी और विचार-विमर्श शामिल है।

प्रश्न 19 (मध्यम). कोई देश केवल चुनाव कराकर यह दावा करे कि वह लोकतांत्रिक है, तो क्या यह लोकतंत्र के 'वृहत्तर अर्थ' को दर्शाता है? समझाओ।
उत्तर – नहीं, सिर्फ चुनाव कराने से कोई देश पूरी तरह से 'वृहत्तर अर्थ' में लोकतांत्रिक नहीं हो जाता। वृहत्तर अर्थ में, लोगों की हर स्तर पर भागीदारी, समानता और फ़ैसलों में विचार-विमर्श भी ज़रूरी है, न कि सिर्फ वोट डालना।

प्रश्न 20 (कठिन). आपके हिसाब से, एक स्कूल को 'वृहत्तर अर्थ' में लोकतांत्रिक बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाने चाहिए?
उत्तर – एक स्कूल को वृहत्तर अर्थ में लोकतांत्रिक बनाने के लिए छात्रों को स्कूल के नियमों और गतिविधियों के फ़ैसलों में शामिल करना चाहिए, शिक्षकों और छात्रों के बीच बराबरी का व्यवहार होना चाहिए, शिकायतें सुनने का निष्पक्ष तरीका होना चाहिए और वाद-विवाद तथा चर्चा को बढ़ावा देना चाहिए।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए एक देश है 'अल्फा', जहाँ हर 5 साल में चुनाव होते हैं और जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनती है. चुने हुए प्रतिनिधि सरकार बनाते हैं और देश चलाते हैं. क्या 'अल्फा' को लोकतांत्रिक देश कहा जा सकता है?

› पहला कदम: हमें देखना होगा कि क्या जनता के पास अपने नेताओं को चुनने का अधिकार है. 'अल्फा' में, हाँ, जनता हर 5 साल में प्रतिनिधियों को चुनती है.

› दूसरा कदम: क्या सरकार जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों की है? हाँ, चुने हुए प्रतिनिधि सरकार बनाते हैं.

› तीसरा कदम: क्या सरकार जनता के लिए काम करती है और उनके अधिकारों का सम्मान करती है? समस्या में यह

स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, लेकिन लोकतंत्र की मूल परिभाषा में यह निहित है. यदि चुनाव निष्पक्ष हों और नागरिक अधिकारों का सम्मान हो, तो इसे लोकतांत्रिक माना जाएगा.

› चौथा कदम: तो, अगर चुनाव निष्पक्ष हों और लोगों को बोलने की आज़ादी हो, तो यह एक लोकतांत्रिक देश है.

उत्तर – हाँ, यदि चुनाव निष्पक्ष हों और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान किया जाता हो, तो 'अल्फा' को एक लोकतांत्रिक देश कहा जा सकता है.

उदाहरण 2. एक देश 'क' है जहाँ हर 5 साल में चुनाव होते हैं, लेकिन सिर्फ एक ही पार्टी चुनाव लड़ सकती है. क्या यह देश लोकतांत्रिक है?

› पहला कदम: हमें देखना होगा कि क्या यहाँ चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हैं.

› दूसरा कदम: यहाँ सिर्फ एक ही पार्टी चुनाव लड़ सकती है, इसका मतलब जनता के पास विकल्प नहीं है.

› तीसरा कदम: अगर विकल्प नहीं है, तो चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं माने जा सकते.

› निष्कर्ष: इसीलिए, यह देश पूरी तरह से लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता, क्योंकि इसमें लोकतंत्र की एक प्रमुख विशेषता – स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव – की कमी है.

उत्तर – नहीं, यह देश पूरी तरह से लोकतांत्रिक नहीं है क्योंकि यहाँ चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हैं.

उदाहरण 3. रमेश का तर्क है कि 'तानाशाही में काम तेज़ी से होता है, इसलिए तानाशाही लोकतंत्र से बेहतर है।' लोकतंत्र के विपक्ष के तर्कों के आलोक में इसकी समीक्षा कीजिए।

› स्टेप 1: रमेश की बात आंशिक रूप से सही है कि तानाशाही में एक ही व्यक्ति निर्णय लेता है, इसलिए फैसले तुरंत होते हैं और कोई देरी नहीं होती।

› स्टेप 2: लोकतंत्र में व्यापक चर्चा और बहस के कारण निर्णय लेने में समय ज़रूर लगता है, जो इसका एक दोष (खिलाफ तर्क) है।

› स्टेप 3: लेकिन तेज़ फैसला हमेशा सही फैसला नहीं होता। तानाशाही में गलत फैसले को सुधारने का कोई रास्ता नहीं होता, जबकि लोकतंत्र में देरी के बावजूद सबकी सहमति और गलती सुधारने की गुंजाइश रहती है।

उत्तर – फैसले जल्दी होना ही अच्छे शासन की निशानी नहीं है; लोकतंत्र में देरी भले हो, पर नागरिकों की जवाबदेही और स्वतंत्रता बनी रहती है।

उदाहरण 4. प्रश्न: 1958-61 के चीन और भारत के अकाल के उदाहरण से लोकतंत्र की किस प्रमुख विशेषता का पता चलता है?

› कदम 1: चीन में गैर-लोकतांत्रिक सरकार थी, इसलिए उसने अकाल के दौरान खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देना ज़रूरी नहीं समझा।

› कदम 2: भारत में लोकतांत्रिक सरकार थी, जिसे चुनाव में जनता का सामना करना था, इसलिए उसने तुरंत राहत कार्य शुरू किए।

› कदम 3: निष्कर्ष निकालें कि लोकतांत्रिक सरकार हमेशा जनता की ज़रूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील और जवाबदेह होती है।

उत्तर – इससे यह सिद्ध होता है कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अन्य व्यवस्थाओं की तुलना में अधिक 'जवाबदेह' (Accountable) होती है।

उदाहरण 5. आपके स्कूल में एक नया नियम लागू होने वाला है कि अब हर बच्चे को क्लास के बाद 15 मिनट खेल के मैदान में सफ़ाई करनी होगी। स्कूल प्रशासन ने यह फ़ैसला बिना छात्रों से पूछे ले लिया। क्या आप इसे 'लोकतांत्रिक' कहेंगे? क्यों?

› पहला, 'लोकतांत्रिक' होने के लिए फ़ैसले में सबकी भागीदारी ज़रूरी है। यहाँ छात्रों को शामिल नहीं किया गया।

› दूसरा, छात्रों के ऊपर यह नियम बिना चर्चा के थोपा गया है। लोकतंत्र में विचार-विमर्श यानी 'deliberation' बहुत ज़रूरी है।

› तीसरा, भले ही यह नियम अच्छे इरादे से बनाया गया हो, लेकिन 'लोकतांत्रिक' प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ, क्योंकि छात्रों की राय नहीं ली गई।

उत्तर – नहीं, यह पूरी तरह से 'लोकतांत्रिक' नहीं है, क्योंकि इसमें उन लोगों की भागीदारी और विचार-विमर्श नहीं हुआ जिन

पर यह नियम लागू होगा। एक वृहत्तर अर्थ में, लोकतंत्र में सिर्फ नियम बनाना नहीं, बल्कि उसे बनाने की प्रक्रिया में सबकी आवाज़ शामिल करना ज़रूरी है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• लोकतंत्र की परिभाषा और उसकी मुख्य विशेषताओं पर सीधे प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षाओं में पूछे जाते हैं, इसे अच्छे से समझना ज़रूरी है.

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर 'लोकतंत्र की किन्हीं तीन या चार विशेषताओं' का वर्णन करने के लिए प्रश्न आता है. इन्हें याद करके विस्तार से समझाना बहुत ज़रूरी है.

• परीक्षण में 'लोकतंत्र के विपक्ष में चार तर्क लिखिए' प्रश्न आने पर चारों बिंदुओं को (अस्थिरता, देरी, भ्रष्टाचार, खराब निर्णय) हेडिंग डालकर 2-2 लाइनों में समझाएं।

• बोर्ड परीक्षा में 'लोकतंत्र के पक्ष में 5 तर्क' का प्रश्न 5 अंकों के लिए अक्सर पूछा जाता है – पाँचों बिंदुओं को हेडिंग डालकर बिंदुवार लिखें।

• यह अवधारणा अक्सर 5 नंबर के प्रश्न में पूछी जाती है जहाँ आपको सरकार से इतर, रोज़मर्रा के जीवन में लोकतंत्र के महत्व को समझाना होता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› लोकतंत्र = लोगों द्वारा, लोगों का, लोगों के लिए शासन.

› लोकतंत्र की विशेषताएँ: स्वतंत्र चुनाव, सबको वोट, कानून का राज, नागरिक अधिकार.

› लोकतंत्र के दोष: अस्थिरता, निर्णयों में देरी, चुनावी भ्रष्टाचार और खराब फैसलों की संभावना।

› लोकतंत्र जवाबदेही, निर्णय-गुणवत्ता, मतभेद-निवारण और नागरिक गरिमा के कारण सर्वश्रेष्ठ शासन प्रणाली है।

› लोकतंत्र का वृहत्तर अर्थ: चुनाव से परे, हर स्तर पर भागीदारी, समानता, विचार-विमर्श।